Times of India
27-11-2022

115 forestry students get doctorate

Dehradun: A total of 115 students completed their doctorate under the aegis of scientists from the Forest Research Institute (FRI) on Saturday. These students were awarded their doctoral degrees in different disciplines and programmes of forestry, at the 6th convocation ceremony held on Saturday while 389 students received their master's degrees.

The director of Indira Gandhi National Forest Academy, Bharat Jyoti, was the chief guest at the event. Twelve gold medals were also awarded to the toppers of MSc courses. **Shivani Azad**

Janbharat Mail
27-11-2022

वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय, देहरादून का 6वां दीक्षांत समारोह 2022 सम्पन्न

देहरादून, संवाददाता। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) सम विश्वविद्यालय, देहरादून के 6वें दीक्षांत समारोह का अयोजन आज दिनांक 26 नवम्बर 2022 को अपराह्न 11.00 बजे एफआरआई के दीक्षांत सभागार में किया गया। इस अवसर पर श्री भरत ज्योति, निदेशक, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

श्री बिवाश रंजन, अतिरिक्त महानिदेशक (वन्यजीव), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार ने सम्मानीय अतिथि के रूप में शिरकत की। श्री अरुण सिंह रावत, कुलाधिपति, एफआरआई सम विश्वविद्यालय और महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई), देहरादून ने समारोह की अध्यक्षता की। समारोह का प्रारम्भ कुलसचिव डॉ ए के त्रिपाठी की अगवानी में विश्वविद्यालय के अकैडमिक प्रोसेसन,जिसमें मुख्य अतिथि, सम्मानीय अतिथि, कुलाधिपति, कुलपति, प्रबंधक मंडल तथा अकैडमिक काउंसिल के सदस्य शामिल रहे, के दीक्षांत सभागार में आगमन से हुआ। तदुपरान्त विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और महानिदेशक, आईसीएफआरई, श्री अरुण सिंह रावत ने दीक्षांत समारोह के औपचारिक शुरुआत की घोषणा की। तत्पश्चात, डॉ रेनू सिंह, कुलपति, एफआरआइ सम विश्वविद्यालय और निदेशक, एफआरआई ने गणमान्य अतिथियों, विशेष आमंत्रित सदस्यों, छात्रों और उनके अभिभावकों और सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय की रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और वानिकी और संबंधित क्षेत्रों की चुनौतियों पर आधारित कार्ययोजना के साथ ही साथ भविष्य की प्रतिबद्धताओं का उल्लेख किया गया।

उन्होंने छात्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने और ज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान हेतु विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। समारोह के दौरान वानिकी के विभिन्न विषयों में 1`5 पीएचडी और 389 एमएससी सहित कुल 504 उपाधियाँ प्रदान की गईं।

इनके अतिरिक्त, एमएससी कोर्स मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 छात्रों जिनमे रूपाली शर्मा, सावला स्मृति हसमुख, विक्रम सिंह (वानिकी); भव्या थापा, प्राची उपाध्याय, एंथोनी एशलिन विलियम (पर्यावरण प्रबंधन); सुरंदिनी, आकांक्षा शर्मा, प्रदीप कुमार पटेल (काष्ठ विज्ञान और प्रौद्योगिकी); उन्नति चौधरी, रुचि भैसोरा, त्रिशाषा चटर्जी (सेलूलोज और पेपर तकनीक) को स्वर्ण पदक दिए गए। वानिकी विषय में डॉ. जी एस रंधावा, पूर्व प्रोफेसर, आईआईटी रुड़की द्वारा प्रयोजित तीन प्रो. पूरन सिंह सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरेट थीसिस पुरस्कार वर्ष 2018-19, 2019-20, 2020-21 के लिए डॉ. इंद्रनील मंडल, भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून; डॉ. तंजीम फातिमा, इंस्टीट्यूट ऑफ वुड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, बैंगलोर; और डॉ. राखी त्यागी, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून को प्रदान किये गए। सभा को संबोधित करते हुए, मुख्य अतिथि श्री भरत ज्योति ने ज्ञान अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान और नवाचारों के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा, सुधार और संरक्षण में विश्वविद्यालय शिक्षा की भूमिका पर जोर दिया। ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत पर्यावरण और वन क्षेत्र में कौशल विकास के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के प्रयासों का वर्णन करते हुए, उन्होंने कहा कि युवाओं को कौशल प्रदान करके न केवल वैश्विक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान, सतत विकास लक्ष्यों और राष्ट्रीय जैव विविधता लक्ष्यों को भी प्राप्त किया जा सकता है।

भारत की नई शिक्षा नीति को साझा करते हुए, श्री भरत ज्योति ने छात्रों से अपनी प्रतिभा को बढ़ाने और करियर चुनाव के लिए इसका लाभ उठाने का भी आह्वान किया। उन्होंने नालंदा और तक्षशिला के महान प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयों के बारे में बात की और न केवल अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए बल्कि प्रतिभा पलायन को रोकने के लिए भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालयों को मजबूत करने पर जोर दिया।

डिग्री प्राप्तकर्ताओं और पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए, उन्होंने उनसे अर्जित ज्ञान और कौशल को आगे बढ़ाने और राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देने का आह्वान किया। समारोह के सम्मानित अतिथि के रूप में बोलते हुए, श्री बिवाश रंजन ने कहा कि वन संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए और वन उत्पादकता और वन आधारित उद्योगों के लिए कच्चे माल का उत्पादन बढ़ाने, गरीबी उन्मूलन, प्रदूषण प्रबंधन, वनीकरण, जलवायु परिवर्तन, आदि से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए वैज्ञानिक प्रयासों को बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने इस दिशा में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की विभिन्न पहलों जैसे कैम्पा, हिमालयी अध्ययन के लिए राष्ट्रीय मिशन, औद्योगिक प्रदूषण के प्रबंधन के लिए क्षमता निर्माण, राष्ट्रीय नदी संरक्षण निदेशालय और हरित कौशल विकास कार्यक्रम को साझा किया। राष्ट्र निर्माण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, श्री रंजन ने वानिकी और संबंधित क्षेत्रों में शैक्षिक, अनुसंधान और विकास संस्थानों के बीच सहयोग और एकीकरण को बढ़ाये जाने पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री अरुण सिंह रावत ने अपने संबोधन में आईसीएफआरई द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों जैसे वर्ष 2020-2030 के लिए राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान योजना (एनएफआरपी), वर्ष 2018- 2023 के लिए वानिकी विस्तार रणनीति कार्य योजना, आईसीएफआरई कर्मचारियों के क्षमता विकास हेतु मानव संसाधन विकास योजना, मंत्रालय के हरित कौशल विकास कार्यक्रम का क्रियान्वयन, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप, वानिकी के माध्यम से 13 प्रमुख नदियों के पुनरुद्धार के लिए डीपीआर तैयार करना, राष्ट्रीय ... + रणनीति आदि के बारे में बात की।

उन्होंने युवाओं में पर्यावरण चेतना विकसित करने के लिए केंद्रीय विद्यालय संगठन और नवोदय विद्यालय समिति के साथ आईसीएफआरई के प्रकृति नामक वैज्ञानिक - छात्र संपर्क कार्यक्रम का भी उल्लेख किया जिसको युवाओं द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है।

भारत में वानिकी शिक्षा परिदृश्य के बारे में चर्चा करते हुए, श्री रावत ने आगे बताया कि उच्च संस्थागत गुणवत्ता और मानक सुनिश्चित करने के लिए 31 राज्यों और कृषि विश्वविद्यालयों, जिनमें वानिकी में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम चल रहे हैं, को आईसीएफआरई द्वारा मान्यता दी गई है। अंत में कुलाधिपति द्वारा दीक्षांत समारोह के औपचारिक समापन की घोषणा की गयी। इसके उपरांत डॉ एच. एस. गिनवाल, डीन, एफआरआई सम विश्वविद्यालय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह का समापन हुआ।

Shah Times
27-11-2022

एफआरआई डीम्ड यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में 504 को मिली डिग्रियां

निदेशक आईजीएनएफए भरत ज्योति मुख्य अतिथि के तौर पर रहे मौजूद

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून ।वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) सम विश्वविद्यालय, देहरादून के 6वें दीक्षांत समारोह का आयोजन शनिवार को एफआरआई के दीक्षांत सभागार में किया गया। इस अवसर पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी, देहरादून के निदेशक भरत ज्योति मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

समारोह के दौरान वानिकी के विभिन्न विषयों में 115 पीएचडी और 389 एमएससी सहित कुल 504 उपाधियाँ प्रदान की गईं। इनके अलावा एमएससी कोर्स मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 छात्रों जिनमे रूपाली शर्मा, सावला श्रुति हसमुख, बिक्रम सिंह (वानिकी); भव्या थापा, प्राची उपाध्याय, एंथोनी एशलिन विलियम (पर्यावरण प्रबंधन), सुर्नंदिनी, आकांक्षा शर्मा, प्रदीप कुमार पटेल (काष्ठ विज्ञान और प्रौद्योगिकी), उन्नति चौधरी, रूचि भैसोरा, त्रिनाधा चटर्जी (सेलूलोज और पेपर तकनीक) को स्वर्ण पदक दिए गए। वानिकी विषय में डॉ. जी एस रंधावा, पूर्व प्रोफेसर, आईआईटी रुड़की की प्रायोजित तीन प्रो. पूरन सिंह सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरेट थीसिस पुरस्कार वर्ष 2018-19, 2019-20, 2020-21 के लिए डॉ. इंद्रनील मंडल, भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून, डॉ. तंजीम फातिमा, इंस्टीट्यूट ऑफ वुड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, बैंगलोर और डॉ. राखी त्यागी, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून को प्रदान किये गए।

समारोह में बिवाश रंजन ने कहा कि वन संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए और वन उत्पादकता और वन आधारित उद्योगों के लिए कच्चे माल का उत्पादन बढ़ाने, गरीबी उन्मूलन, प्रदूषण प्रबंधन, वनीकरण, जलवायु परिवर्तन, आदि से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए वैज्ञानिक प्रयासों को बढाया जाना चाहिए। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अरुण रावत ने आईसीएफआरई के उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों के बारे में जानकारी दी। इससे पूर्व दीक्षांत समारोह में एफआरआइ सम विश्वविद्यालय और निदेशक, एफआरआई डॉ. रेनू सिंह ने विश्वविद्यालय की रिपोर्ट पेश की। कुलाधिपति ने दीक्षांत समारोह के औपचारिक समापन की घोषणा की। इसके बाद डॉ एच. एस. गिन्वाल, डीन, एफआरआई सम विश्वविद्यालय ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एके त्रिपाठी सहित एफआरआई सम विश्वविद्यालय के कई अधिकारी, शिक्षक व कर्मचारियों सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

नई शिक्षा नीति से करियर चुनाव के लिए लाभ उठाएं छात्र: भरत

देहरादून। दीक्षांत समरोह के मुख्य आईजीएनएफए के निदेशक अतिथि भरत ज्योति ने ज्ञान अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान और नवाचारों के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा, सुधार और संरक्षण में विश्वविद्यालय शिक्षा की भूमिका पर जोर दिया। ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत पर्यावरण और वन क्षेत्र में कौशल विकास के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के प्रयासों का वर्णन करते हुए, उन्होंने कहा कि युवाओं को कौशल प्रदान करके न केवल वैश्विक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान, सतत विकास लक्ष्यों और राष्ट्रीय जैव विविधता लक्ष्यों को भी प्राप्त किया जा सकता है। भारत की नई शिक्षा नीति को साझा करते हुए भरत ज्योति ने छात्रों से अपनी प्रतिभा को बढ़ाने और करियर चुनाव के लिए इसका लाभ उठाने का भी आह्वान किया। उन्होंने नालंदा और तक्षशिला के महान प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयों के बारे में बात की और न केवल अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए बल्कि प्रतिभा पलायन को रोकने के लिए भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालयों को मजबूत करने पर जोर दिया। डिग्री प्राप्तकर्ताओं और पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए, उन्होंने उनसे अर्जित ज्ञान और कौशल को आगे बढ़ाने और राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देने का आह्वान किया।

The Hawk
27-11-2022

FRI Deemed To Be University, Dehradun Celebrated

Dehradun (The Hawk): Forest Research Institute (FRI) Deemed to be University, Dehradun celebrated its 6th Convocation today on November 26, 2022 at 11.00 hrs. in the Convocation Hall of FRI. Shri Bharat Jyoti, Director, Indira Gandhi National Forest Academy, Dehradun graced the occasion as Chief Guest. Shri Bivash Ranjan, Additional Director General (Wildlife), Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Govt. of India attended the event as Guest of Honour. Shri Arun Singh Rawat, Chancellor, FRI Deemed to be University and Director General, Indian Council of Forestry Research & Education (ICFRE), Dehradun presided over the function. The ceremony started with the arrival of the academic procession comprising of the Chief Guest, Guest of Honour, Chancellor, Vice Chancellor, members of Board of Management and members of the Academic Council led by the Registrar, Dr.A.K.Tripathi. At the outset, Shri Arun Singh Rawat, Chancellor of the University and Director General, ICFRE declared the convocation open. Thereafter, Dr. Renu Singh, Vice-chancellor of the University and Director, FRI welcomed the dignitaries, special invitees, students and their parents and all present, and presented a report of the University mentioning the accomplishments and future aspirations of the University to become the first-rank forestry based Research University in the world with focused action plan to meet the challenges of forestry and related areas. She further affirmed the commitment of the University to promote all round development of the students and to contribute significantly to the sphere of knowledge.

Altogether 504 degrees including 115 Ph.D. and 389 M.Sc. were conferred in different disciplines and programmes of forestry. Twelve gold medals were awarded to the toppers of M.Sc. courses namely Rupali Sharma, Savla Shruti Hasmukh, Bikram Singh (Forestry); Bhavya Thapa, Prachi Upadhyay, Anthony Ashlyn William (Environment Management); Sunandini, Akanksha Sharma, Pradeep Kumar Patel (Wood Science & Technology); Unnati Chaudhary, Ruchi Bhaisora, Trinadha Chatterjee (Cellulose and Paper technology). Dr. G.S. Randhawa, Former Professor, IIT Roorkee sponsored three Prof. Puran Singh best doctoral thesis awards in Forestry for the years 2018-19, 2019-20, 2020-21 were conferred to Dr. Indranil Mondal, Wildlife Institute of India, Dehradun; Dr. Tanzeem Fatima, Institute of Wood Science & Technology, Bangalore; and Dr. Rakhi Tyagi, Forest Research Institute, Dehradun.

Addressing the gathering, the chief guest Shri Bharat Jyoti highlighted the importance of knowledge and innovations to promote knowledge economy and emphasized the role of University education in protecting, improving and conserving the nature and the environment. Narrating the efforts of the Ministry of Environment, Forest & Climate Change, Govt. of India for skill development in the environment and forest sector under Green Skill Development Programme, he stated that by providing skills to the youth not only the global challenges can effectively be tackled but also the Nationally Determined Contributions, Sustainable Development Goals, and National Biodiversity Targets can be attained. Sharing the New Education Policy of India, Shri Bharat Jyoti called upon the students to take its benefits to maximize their talents and make career choices. Congratulating the degree recipients and awardees, he urged them to take the acquired knowledge and skills further and to contribute meaningfully towards nation building.

Speaking as the guest of honour of the ceremony, Shri Bivash Ranjan stated that forest conservation should be given top priority and scientific interventions are needed to address the issues linked with forest productivity enhancement, generation of raw material for forest based industries, poverty alleviation, pollution management, reforestation, climate change, etc. He shared various initiatives of the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Govt. of India like CAMPA, National Mission for Himalayan Studies, Capacity Building for Management of Industrial Pollution, National River Conservation Directorate and Green Skill Development Programme in successfully addressing these issues. Highlighting the role of quality education in building the nation, shri Ranjan stressed to establish mechanisms to facilitate co-operation and integration among educational, research and development institutions in forestry and in related areas. In his address, Shri Arun Singh Rawat, Chancellor of the university talked about important initiatives of the ICFRE like preparation of second National Forestry Research Plan (NFRP) for the country for the year 2020-2030, Forestry Extension Strategy and Action Plan for the year 2018-2023, HRD Plan for capacity building of ICFRE employees, implementation of green skill development programme of the Ministry, preparation of DPR for rejuvenation of 13 major rivers through forestry interventions, and national REDD+ strategy, in line with the national priorities to revitalize forestry research and education in India. He also mentioned about the scientist-student connect programme called 'Prakriti' of the ICFRE with Kendriya Vidyalaya Sangathan and Navodaya Vidyalaya Samiti to develop environmental consciousness at a young age. Discussing about the forestry education scenario in India, shri Rawat further informed that accreditation of 31 states and Agricultural universities offering graduate and post graduate programmes in forestry is regularly done by the ICFRE to ensure the high institutional quality and standard.

The convocation was declared closed by the Chancellor of FRI Deemed to be University and the programme ended with the vote of thanks proposed by Dr. H.S. Ginwal, Dean, FRI Deemed to be University.

Uttarakhand Kesari
27-11-2022

संस्थान के 6वें दीक्षांत समारोह में मौजूद रही शिक्षा जगत की हस्तियां

एफआरआई ने 115 शोधार्थियों को प्रदान की पीएचडी की उपाधि

देहरादून, 26 नवम्बर (स.ह.): वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) सम विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में छात्रों को उपाधि प्रदान की गई।

6वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान वानिकी के विभिन्न विषयों में 115 पीएचडी और 389 एमएससी सहित कुल 504 उपाधियाँ प्रदान की गईं। इनके अतिरिक्त, एमएससी कोर्स मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 छात्रों जिनमे रूपाली शर्मा, सावला श्रुति हसमुख, बिक्रम सिंह (वानिकी); भव्या थापा, प्राची उपाध्याय, एंथोनी एशलिन विलियम (पर्यावरण प्रबंधन); सुनंदिनी, आकांक्षा शर्मा, प्रदीप कुमार पटेल (काष्ठ विज्ञान और प्रौद्योगिकी) में सम्मानित किया गया।

उन्नति चौधरी, रूचि भैसोरा, त्रिनाधा चटर्जी (सेलूलोज़ और पेपर तकनीक) को स्वर्ण पदक दिए गए। वानिकी विषय में डॉ. जी एस रंधावा, पूर्व प्रोफेसर, आईआईटी रुड़की द्वारा प्रायोजित तीन प्रो. पूरन सिंह सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरेट थीसिस पुरस्कार वर्ष 2018-19, 2019-20, 2020-21 के लिए डॉ. इंद्रनील मंडल, भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून; डॉ. तंजीम फातिमा, इंस्टीट्यूट ऑफ वुड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, बैंगलोर; और डॉ. राखी त्यागी, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून को प्रदान किये गए।

संस्थान में छात्रों को उपाधि प्रदान करते संस्थान के निदेशक भरत ज्योति।

इस अवसर पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक भरत ज्योति बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। बिवाश रंजन, अतिरिक्त महानिदेशक (वन्यजीव), पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार ने भी शिरकत की। अरुण सिंह रावत, कुलाधिपति, एफआरआई सम विश्वविद्यालय और महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) देहरादून ने समारोह की अध्यक्षता की।

समारोह का प्रारम्भ कुलसचिव डॉ एके त्रिपाठी की अगवानी में विश्वविद्यालय के अकेडमिक प्रोसेसन,जिसमें मुख्य अतिथि, सम्मानीय अतिथि, कुलाधिपति, कुलपति, प्रबंधक मंडल तथा अकेडमिक काउंसिल के सदस्य शामिल रहे, के दीक्षांत सभागार में आगमन से हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति और महानिदेशक, आईसीएफआरई अरुण सिंह रावत ने दीक्षांत समारोह के औपचारिक शुरुआत की घोषणा की। तत्पश्चात, डॉ रेनू सिंह, कुलपति, एफआरआइ सम विश्वविद्यालय और निदेशक, एफआरआई ने अतिथियों, विशेष आमंत्रित सदस्यों, छात्रों और उनके अभिभावकों और सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया और विश्वविद्यालय की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

जिसमें विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और वानिकी और संबंधित क्षेत्रों की चुनौतियों पर आधारित कार्ययोजना के साथ ही साथ भविष्य की प्रतिबद्धताओं का उल्लेख किया गया। उन्होंने छात्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने और ज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान हेतु विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

Amar Ujala
27-11-2022

दीक्षांत समारोह में छात्रा को गोल्ड मेडल से सम्मानित करते मुख्य अतिथि भारत ज्योति, साथ में एफआरआई की वीसी रेनू सिंह, चांसलर अरुण सिंह रावत और अन्य। अमर उजाला

शनिवार को एफआरआई सम विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह में मेडल और उपाधियों के साथ मौजूद छात्र-छात्राएं। अमर उजाला

12 छात्रों को गोल्ड मेडल, 504 को उपाधि

वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह में 115 को पीएचडी की उपाधि दी गई

संवाद न्यूज एजेंसी

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) सम विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षांत समारोह में 504 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं। इस मौके मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक भरत ज्योति ने अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान, नवाचारों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा, सुधार और संरक्षण में विवि शिक्षा की भूमिका पर जोर दिया। समारोह में 12 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक दिया गया।

मुख्य अतिथि समेत अन्य ने वानिकी के कई विषयों के छात्र-छात्राओं में 115 पीएचडी की उपाधि और 389 एमएससी की डिग्री प्रदान कीं। विवि की कुलपति डॉ. रेनू सिंह ने रिपोर्ट पेश।

कॅरियर के चुनाव के लिए नई शिक्षा नीति का उठाएं लाभ : भरत ज्योति

मुख्य अतिथि भरत ज्योति ने कहा कि युवाओं को कौशल प्रदान करके न केवल वैश्विक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान, सतत विकास लक्ष्यों और राष्ट्रीय जैव विविधता लक्ष्यों को भी प्राप्त किया जा सकता है। भारत की नई शिक्षा नीति को साझा करते हुए छात्रों से प्रतिभा बढ़ाने और कॅरियर चुनाव के लिए इसका लाभ उठाने का भी आह्वान किया।

बिवाश रंजन ने कहा कि वन संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। वन उत्पादकता और वन आधारित उद्योगों के लिए कच्चे माल का उत्पादन बढ़ाने, गरीबी उन्मूलन, प्रदूषण प्रबंधन, वनीकरण, जलवायु परिवर्तन आदि से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए वैज्ञानिक प्रयासों को बढ़ाया जाना चाहिए। विवि के कुलाधिपति अरुण सिंह रावत ने आईसीएफआरई की ओर से उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों पर चर्चा की। भारत में वानिकी शिक्षा परिदृश्य के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि उच्च संस्थागत गुणवत्ता और मानक सुनिश्चित करने के लिए 31 राज्यों और कृषि विवि में वानिकी में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम चल रहे हैं। इनको आईसीएफआरई की ओर से मान्यता दी गई है। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. एके त्रिपाठी, डीन डॉ. एचएस गिन्वाल आदि मौजूद रहे।

इनको मिले स्वर्ण पदक

रूपाली शर्मा, सावला श्रुति हसमुख, बिक्रम सिंह, भव्या थापा, प्राची उपाध्याय, एंथोनी एशलिन विलियम, सुनंदिनी, आकांक्षा शर्मा, प्रदीप कुमार पटेल, उन्नति चौधरी, रुचि भैसोरा, त्रिनाधा चटर्जी।

तीन विद्यार्थियों को मिला थीसिस पुरस्कार

प्रो. पूरन सिंह सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरेट थीसिस पुरस्कार में तीन विद्यार्थियों को 30 हजार रुपये के चेक प्रदान किए गए। वर्ष 2018-19, 2019-20, 2020-21 के लिए देहरादून के भारतीय वन्यजीव संस्थान के डॉ. इंद्रनील मंडल, बंगलुरू के इंस्टीट्यूट ऑफ वुड साइंस एंड टेक्नोलॉजी की डॉ. तंजीम फातिमा और एफआरआई की डॉ. राखी त्यागी को प्रदान किए गए।

Dainik jagran
27-11-2022

एफआरआइ के दीक्षा समारोह में 12 छात्रों को स्वर्ण

115 पीएचडी समेत 504 उपाधियां प्रदान की गईं, तीन प्रोफेसर को प्रो. पूरन सिंह सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार

जागरण संवाददाता, देहरादून : वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) डीम्ड विश्वविद्यालय के छठवें दीक्षा समारोह में एमएससी पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 छात्रों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। वानिकी के विभिन्न विषयों में 115 पीएचडी और 389 एमएससी समेत कुल 504 उपाधियां प्रदान की गईं।

समारोह की विधिवत शुरुआत एफआरआइ डीम्ड विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. एके त्रिपाठी के नेतृत्व में विवि के एकेडमिक सदस्यों ने की। जिसमें मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी देहरादून के निदेशक भरत ज्योति, कुलाधिपति अरुण सिंह रावत, कुलपति, प्रबंधक मंडल तथा एकेडमिक काउंसिल के सदस्य शामिल रहे। मुख्यअतिथि ने एमएससी कोर्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 छात्रों जिनमें स्वर्ण पदक प्रदान किए। जिमसें रुपाली शर्मा, सावला श्रुति हसमुख, बिक्रम सिंह (वानिकी), भव्या थापा, प्राची उपाध्याय, एंथोनी एशलिन विलियम (पर्यावरण प्रबंधन), सुनंदिनी, आकांक्षा शर्मा, प्रदीप कुमार पटेल (काष्ठ विज्ञान और प्रौद्योगिकी), उन्नति चौधरी, रुचि भैसोरा, त्रिनाधा चटर्जी शामिल रहे।

इसके अलावा आइआइटी रुड़की के पूर्व प्रोफेसर की ओर से प्रायोजित प्रो. पूरन सिंह सर्वश्रेष्ठ डाक्टरेट थीसिस पुरस्कार वर्ष 2018-19, 2019-20, 2020-21 के लिए क्रमशः डा. इंद्रनील मंडल (भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून), डा. तंजीम फातिमा (इंस्टीट्यूट आफ वुड साइंस एंड टेक्नोलाजी बंगलुरू), और डा. राखी त्यागी (देहरादून) को प्रदान किया गया।

इस अवसर पर एफआरआइ के कुलाधिपति अरुण सिंह रावत ने कहा कि संस्थान वानिकी के माध्यम से 13 प्रमुख नदियों के पुनरुद्धार के लिए डीपीआर तैयार करेगा। उन्होंने आइसीएफआरई की ओर से उठाए गए कदमों की जानकारी दी। बताया कि वर्ष 2020-2030 के लिए राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान योजना (एनएफआरपी), वर्ष 2018- 2023 के लिए वानिकी विस्तार रणनीति कार्य योजना, आइसीएफआरई कर्मियों के क्षमता विकास के लिए मानव संसाधन विकास योजना, हरित कौशल विकास कार्यक्रम का क्रियान्वयन के अनुरूप तैयार होगी।

वन अनुसंधान संस्थान विवि के दीक्षा समारोह में एमएससी की छात्रा रुपाली शर्मा को स्वर्ण पदक प्रदान करते मुख्य अतिथि निदेशक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी देहरादून भरत ज्योति। साथ में एफआरआइ विवि के कुलाधिपति अरुण सिंह रावत • जागरण

ज्ञान अर्थव्यवस्था और नवाचार समय की मांग : भरत ज्योति

मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक भरत ज्योति ने ज्ञान अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान और नवाचार पर प्रकाश डाला। साथ ही प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा, सुधार और संरक्षण में विवि शिक्षा की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत पर्यावरण और वन क्षेत्र में कौशल विकास के लिए पर्यावरण, केंद्रीय वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के प्रयासों की जानकारी दी। कहा कि युवाओं को कौशल प्रदान करके वैश्विक चुनौतियों से निपटा जा सकता है।

Rashtriya Sahara
27-11-2022

एफआरआई विवि के दीक्षांत समारोह में 504 उपाधियां प्रदान की

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

देहरादून।

वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) विश्वविद्यालय देहरादून के छठें दीक्षांत समारोह में वानिकी के विभिन्न विषयों में 115 पीएचडी और 389 एमएससी सहित 504 उपाधियां प्रदान की गई। इनके अतिरिक्त एमएससी कोर्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 छात्रों रूपाली शर्मा, सावला श्रुति हंसमुख, बिक्रम सिंह (वानिकी), भव्या थापा, प्राची उपाध्याय, एंथोनी एशलिन विलियम (पर्यावरण प्रबंधन), सुनंदिनी, आकांक्षा शर्मा, प्रदीप कुमार पटेल (काष्ठ विज्ञान और प्रौद्योगिकी), उन्नति चौधरी, रूचि भैसोरा, त्रिनाधा चटर्जी (सेलूलोज और पेपर तकनीक) को स्वर्ण पदक दिए गए।

वानिकी विषय में डा.जीएस रंधावा पूर्व प्रोफेसर आईआईटी रुड़की की ओर से प्रायोजित प्रोफेसर पूरन सिंह सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरेट थीसिस पुरस्कार वर्ष 2018-19, 2019-20, 2020-21 के लिए डा. इंद्रनील मंडल भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून, डा. तंजीम फातिमा इंस्टीट्यूट ऑफ वुड साइंस एंड टेकोलॉजी बैंगलोर और डा.राखी त्यागी वन अनुसंधान संस्थान देहरादून को प्रदान किये गए।

- वानिकी के विभिन्न विषयों में 115 पीएचडी और 389 एमएससी उपाधियां दी गई
- एमसीसी कोर्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 छात्रों को स्वर्ण पदन दिए गए
- पूरन सिंह सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरेट थीसिस पुरस्कार वर्ष 2018-19, 2019-20, 2020-21 तीन प्रोफेसर को दिया

शनिवार को एफआरआई के दीक्षांत सभागार में आयोजित छठें दीक्षांत समारोह में भरत ज्योति निदेशक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी देहरादून बतौर मुख्य शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भरत ज्योति ने ज्ञान अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान और नवाचारों के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रकृति व पर्यावरण की रक्षा, सुधार और संरक्षण में विश्वविद्यालय शिक्षा की भूमिका पर जोर दिया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित करते मुख्य अतिथि।

ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत पर्यावरण और वन क्षेत्र में कौशल विकास के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के प्रयासों का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को कौशल प्रदान करके न केवल वैश्विक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान, सतत विकास लक्ष्यों और राष्ट्रीय जैव विविधता लक्ष्यों को भी प्राप्त किया जा सकता है।

उन्होंने नालंदा और तक्षशिला के महान प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयों के बारे में बात की और न केवल अंतरर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के लिए बल्कि प्रतिभा पलायन को रोकने के लिए भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालयों को मजबूत करने पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति अरुण सिंह रावत ने अपने संबोधन में आईसीएफआरई की ओर से उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों जैसे वर्ष 2020-2030 के लिए राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान योजना (एनएफआरपी), वर्ष 2018- 2023 के लिए वानिकी विस्तार रणनीति कार्य योजना, आईसीएफआरई कर्मचारियों के क्षमता विकास के लिए मानव संसाधन विकास योजना, मंत्रालय के हरित कौशल विकास कार्यक्रम का क्रियान्वयन, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप, वानिकी के माध्यम से 13 प्रमुख नदियों के पुनरुद्धार के लिए डीपीआर तैयार करना आदि के बारे में बात की।

समारोह में कुलसचिव डा.एके त्रिपाठी व डा.रेनू सिंह कुलपति एफआरआई विश्वविद्यालय और निदेशक एफआरआई ने छात्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देने और ज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

Hindustan
27-11-2022

वन अनुसंधान संस्थान सम विश्वविद्यालय का छटा दीक्षांत समारोह, एमएससी में 389 को डिग्री और 115 को पीएचडी की उपाधि

हाथों में फॉरेस्ट्री की डिग्री, चेहरों पर खुशी की लहर

देहरादून, कार्यालय संवाददाता। दून स्थित वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआई) सम विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह में हाथ में वानिकी (फॉरेस्ट्री) की डिग्री पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। वानिकी के विभिन्न विषयों में 504 छात्र-छात्राओं को डिग्री प्रदान की गई। इनमें 115 शोध छात्रों को पीएचडी की उपाधि और 389 छात्र-छात्राओं को एमएससी की डिग्री दी गई शनिवार को बतौर मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक भरत ज्योति ने कहा कि प्रतिभा का पलायन रोकने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देनी होगी। अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने के साथ सभी विश्वविद्यालयों को मजबूत करना होगा। उन्होंने प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा, सुधार और संरक्षण में शिक्षा की भूमिका पर जोर दिया।

विशिष्ट अतिथि वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहायक महानिदेशक बिवाश रंजन ने कहा कि ज्ञान के बल पर दुनिया में बदलाव लाया जा सकता है। कुलपति एवं निदेशक डॉ. रेनू सिंह ने रिपोर्ट पेश की। अध्यक्षता कर रहे कुलाधिपति अरुण सिंह रावत ने कहा कि शोध क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। हमें जिम्मेदारी के साथ काम करते हुए लक्ष्य पाना होगा। कुलसचिव डॉ. एके त्रिपाठी, डीन डॉ. एचएस गिन्वाल भी मौजूद रहे।

सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार: आईआईटी रुड़की के पूर्व प्रोफेसर डॉ. जीएस रंधावा की ओर से प्रायोजित प्रो. पूरन सिंह सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरेट थीसिस पुरस्कार दिया गया। यह डॉ. इंद्रनील मंडल (भारतीय वन्यजीव संस्थान), डॉ. तंजीम फातिमा (इंस्टीट्यूट ऑफ वुड साइंस एंड टेक्नोलॉजी बेंगलुरु) और डॉ. राखी त्यागी (वन अनुसंधान संस्थान) को मिला।

दून स्थित वन अनुसंधान संस्थान में शनिवार को सम विश्वविद्यालय के दीक्षांत-समारोह में डिग्री पाने वाले छात्र-छात्राएं। • हिन्दुस्तान

दून में शनिवार को सम विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में छात्रों को नवाजा गया।

इन छात्र-छात्राओं को मिले गोल्ड मेडल

एमएससी में 12 छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल मिला, जिनमें रूपाली शर्मा, सावला श्रुति हसमुख, बिक्रम सिंह (वानिकी), भव्या थापा, प्राची उपाध्याय, एंथोनी एशलिन विलियम (पर्यावरण प्रबंधन), सुनंदिनी, आकांक्षा शर्मा, प्रदीप कुमार पटेल (काष्ठ विज्ञान और प्रौद्योगिकी), उन्नति चौधरी, रुचि भैसोड़ा, त्रिनाधा चटर्जी (सेलूलोज और पेपर तकनीक) शामिल रहे।

भारत की 13 प्रमुख नदियों का होगा पुनरुद्धार

■ महावीर चौहान

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद के महानिदेशक एवं एफआरआई सम विवि के कुलाधिपति अरुण सिंह रावत ने बताया कि वानिकी से देश की 13 प्रमुख नदियों के पुनरुद्धार की डीपीआर तैयार कर ली गई है। इसको लेकर धरातल पर काम जल्द शुरू होने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना के तहत उत्तराखंड में यमुना, हिमाचल में रावी, चिनाब, झेलम, सतलुज और ब्यास, राजस्थान और गुजरात में लूनी, दक्षिण में नर्मदा नदी के अलावा कृष्णा, कावेरी समेत कई नदियां शामिल हैं। नदियों में पानी की मात्रा बढ़ाने के साथ गुणवत्ता सुधारने का काम होना है। किसानों को जैविक खेती-बागवानी के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। मिट्टी कटान रोकने समेत तमाम उपाय किए जाने हैं। कुलाधिपति ने बताया कि युवाओं में पर्यावरण चेतना विकसित करने के लिए केवि संगठन और नवोदय विद्यालय के साथ मिलकर 'प्रकृति' नामक वैज्ञानिक-छात्र संपर्क कार्यक्रम चलाया जा रहा है। देश में 31 कृषि एवं राज्य विश्वविद्यालयों में वानिकी में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

The Pioneer
27-11-2022

Knowledge & innovations vital to promote knowledge economy: Bharat Jyoti

504 degrees awarded to students in sixth convocation of FRI deemed university

PNS ■ DEHRADUN

Knowledge and innovations are vital for promoting knowledge economy while university education is also important for protecting, improving and conserving nature. The Indira Gandhi National Forest Academy director Bharat Jyoti said this

while speaking at the sixth convocation of the Forest Research Institute (FRI) deemed university here on Saturday.

Narrating the efforts of the Ministry of Environment, Forests and Climate Change for skill development in the environment and forest sector under Green Skill Development Programme, he stated that by providing skills to the youth not only can the global challenges be effectively tackled but the Nationally Determined Contributions, Sustainable Development Goals and National Biodiversity Targets can also be attained. Referring to the National Education Policy, he exhorted the students to derive its benefits to maximise

choices. Congratulating the degree recipients and awardees, he urged them to take the acquired knowledge and skills further and to contribute meaningfully towards nation building.

Speaking on the occasion, additional director general (Wildlife), MoEFCC, Bivash Ranjan stated that forest conservation should be given top priority and scientific interventions are needed to address the issues linked with forest productivity enhancement, generation of raw material for forest based industries, poverty alleviation, pollution management, reforestation, climate change and other aspects. He shared various initiatives of the MoEFCC being undertaken for successfully addressing these issues. Highlighting the role of quality education in building the nation, Ranjan stressed on establishing mechanisms to facilitate cooperation and integration among educational, research

in forestry and in related areas.

The university chancellor and Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) director general Arun Singh Rawat talked about important initiatives of the ICFRE like preparation of second National Forestry Research Plan (NFRP) for the country for the year 2020-2030, Forestry Extension Strategy and Action Plan for the year 2018-2023, implementation of green skill development programme of the ministry, preparation of DPR for rejuvenation of 13 major rivers through forestry interventions, and national REDD+ strategy among other works. Speaking about the forestry education scenario in India, Rawat informed that accreditation of 31 State and agricultural universities offering graduate and post graduate programmes in forestry is regularly done by the ICFRE to ensure the high institutional quality and standard.

The FRI director and university vice chancellor Renu Singh presented a report of the university mentioning its accomplishments and future aspirations to become the first-rank forestry based research university in the world with focused action plan to meet the challenges of forestry and related areas.

A total of 504 degrees including 115 PhDs and 389 MSc degrees were conferred in different disciplines and programmes of forestry dur-

Uttarbharat Live
27-11-2022

एफआरआई के दीक्षांत समारोह में प्रदान की गई 504 उपाधियां

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो
uttarbharatlive.com

देहरादून। वन अनुसंधान संस्थान एफआरआई सम विश्वविद्यालय के 6वें दीक्षांत समारोह का आयोजन एफआरआई के दीक्षांत सभागार में किया गया। इस अवसर पर भरत ज्योति निदेशक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी दून मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा महानिदेशक वन्यजीव पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार ने अतिथि के रूप में शिरकत की। अरुण सिंह रावत कुलाधिपति एफआरआई सम विवि और महानिदेशक भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद आईसीएफआरई देहरादून ने समारोह की अध्यक्षता की। समारोह का प्रारम्भ कुलसचिव डॉ एके त्रिपाठी की अगवानी में विवि के अकैडनिक प्रोसेसन जिसमें मुख्य अतिथि अतिथि कुलाधिपति कुलपति प्रबंधक मंडल तथा अकैडनिक काउंसिल के सदस्य शामिल रहे।

प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा और संरक्षण हो

समारोह के दौरान वानिकी के विभिन्न विषयों में 115 पीएचडी और 389 एमएससी सहित कुल 504 उपाधियां प्रदान की गईं। इनके अतिरिक्त एमएससी कोर्स मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 12 छात्रों जिनमे रूपाली शर्मा, सावला रुति हसमुख, बिक्रम सिंह जानिकी भव्या थापा, प्राची उपाध्याय, एंथोनी एर्शलिन

ज्ञान और नवाचारों के महत्व पर प्रकाश डाला

विलियम पर्यावरण प्रबंधन सुनंदिनी, आकांक्षा शर्मा, प्रदीप कुमार पटेल काष्ठ विज्ञान और प्रौद्योगिकी उन्नति चौधरी, रूचि भैसोरा, त्रिनाधा चटर्जी सेल्लूलोज और पेपर तकनीक को स्वर्ण पदक दिए गए। सभा को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भरत ज्योति ने ज्ञान अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान और नवाचारों के महत्व पर प्रकाश डाला और प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा सुधार और संरक्षण में विवि शिक्षा की भूमिका पर जोर दिया। ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत पर्यावरण और वन क्षेत्र में कौशल विकास के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार के प्रयासों का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को कौशल प्रदान करके न केवल वैश्विक चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान, सतत विकास लक्ष्यों और राष्ट्रीय जैव विविधता लक्ष्यों को भी प्राप्त किया जा सकता है। भारत को नई शिक्षा नीति को साझा करते हुए भरत ज्योति ने छात्रों से अपनी प्रतिभा को बढ़ाने और करियर चुनाव के लिए इसका लाभ उठाने का भी आह्वान किया। समारोह के सम्मानित अतिथि के रूप में बोलते हुए बिवाश रंजन ने कहा कि वन संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए और वन उत्पादकता और वन आधारित उद्योगों के लिए कच्चे माल का उत्पादन बढ़ाने, गरीबी उन्मूलन, प्रदूषण प्रबंधन, वनीकरण, जलवायु परिवर्तन, आदि से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए वैज्ञानिक प्रयासों को बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने इस दिशा में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार की विभिन्न पहलों जैसे कैम्पा, हिमालयी अध्ययन के लिए राष्ट्रीय मिशन, औद्योगिक प्रदूषण के प्रबंधन के लिए क्षमता निर्माण, राष्ट्रीय नदी संरक्षण निदेशालय और हरित कौशल विकास कार्यक्रम को साझा किया। विविद्यालय के कुलाधिपति अरुण सिंह रावत ने अपने संबोधन में आईसीएफआरई द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों जैसे वर्ष 2020-2030 के लिए राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान योजना एनएफआरपी वर्ष 2018-2023 के लिए वानिकी विस्तार रणनीति कार्य योजना, आईसीएफआरई कर्मचारियों के क्षमता विकास हेतु मानव संसाधन विकास योजनाए मंत्रालय के हरित कौशल विकास कार्यक्रम का क्रियान्वयन राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप, वानिकी के माध्यम से 13 प्रमुख नदियों के पुनरुद्धार के लिए डीपीआर तैयार करना, राष्ट्रीय रणनीति आदि के बारे में बात की।